4 एक रानी का बदला

(ऐतिहासिक एकांकी)

Vocabulary समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE

शब्द-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों में से शुद्ध वर्तनी को रेखांकित कीजिए–

निस्तब्धता	निसतब्धता	निस्तबधता
नेपथय	नेप्थ्य	नेपथ्य
उद्यान	उद्याना	उदय्यान
निरवासन	निर्वासन	र्निवासन

2. वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

(क) कल ही एक लाख निर्दोष मनुष्य का रक्त बहाकर लौटा है।

.....

(ख) तुम वहीं बैठकर गाना होगा।

.....

(ग) आँख किरकिरी की तरह खटकने लगा।

.....

(घ) भगवान बुद्ध का करुणामयी किरणों से आलोकित प्रभात।

.....

Grammar समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
व्याकरण

1. भाववाचक संज्ञा को जातिवाचक संज्ञा से मिलाइए–

मातृत्व	चोर
मित्रता	माता
चोरी	मित्र
देवत्व	पवित्र
बुढ़ापा	शत्रु
लड़कपन	देव
शत्रुता	बूढ़ा
पवित्रता	लड़का

1. दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

सेनापति – .....

युद्ध – .....

स्वतंत्रता – .....

निरीक्षण – .....

संदेश – .....

हिस्सा – .....

Writing Tasks समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
लेखन-कार्य

1. अति लघु उत्तर लिखिए–

(क) बंकी की रानी का क्या नाम था?

.....

(ख) इस एकांकी से क्या सीख मिलती है?

.....

2. लघु उत्तर लिखिए–

(क) रानी शुकदेई ने खुर्दा के राजा को बंदी से मुक्त क्यों कर दिया?

.....

.....

(ख) खुर्दा के राजा को किस बात से लज्जा आ रही थी?

.....

.....

3. दीर्घ उत्तर लिखिए–

(क) रानी शुकदेई का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

.....

.....

.....

.....

(ख) इस एकांकी में आए तीसरे दृश्य का सार अपने शब्दों में लिखिए।

.....

.....

.....

.....

Writing Tasks फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE
लेखन-कार्य

1. खुर्दा के राजा और शुकदेई के बीच हुए संवाद को अपने शब्दों में लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2. यदि आप राजा होते तो प्रजा के लिए कौन से तीन मुख्य कार्य करते?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Comprehension Passage

लेखांश-बोध फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

कल्पना जब आठवीं कक्षा में पहुँची तो उसने इंजीनियर बनने की इच्छा प्रकट की। उसकी माँ ने अपनी बेटी की भावनाओं को समझा और आगे बढ़ने में मदद की। कल्पना का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण गुण था– उसकी लगन और जुझारू प्रवृत्ति। प्रफुल्ल स्वभाव तथा बढ़ते अनुभव के साथ कल्पना न तो काम करने में आलसी थी और न असफलता से घबराने वाली थी। धीरे-धीरे निश्चयपूर्वक युवती कल्पना ने स्त्री-पुरुष के भेदभाव से ऊपर उठकर काम किया तथा कक्षा में अकेली छात्रा होने पर भी उसने अपनी अलग छाप छोड़ी। दृढ़ संकल्प वाली कल्पना अन्य लड़कियों की तरह स्नातक के बाद वैवाहिक संस्कार तथा अच्छी नौकरी के विषय में न सोचकर कुछ अलग सोचती थी। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के कठोर एवं व्यस्त समय के बावजूद वह महाविद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों, खेलकूद आदि में पूरा सहयोग देती थी।

1. लिंग बदलकर लिखिए–

युवती – ..... स्त्री – ..... छात्रा – .....

2. समान अर्थ लिखिए–

सर्वाधिक – ..... प्रफुल्ल – ..... महत्त्वपूर्ण – .....

3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कल्पना की क्या बनने की इच्छा थी?

.....

(ख) कल्पना में कौन-कौन से गुण विद्यमान थे?

.....

(ग) कल्पना की क्या सोच थी?

.....

(घ) कल्पना व्यस्त रहते हुए भी किसमें सहयोग देती थी?

.....